महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

द रुरल कनेक्ट

खंड 01 अंक 10
अप्रैल 2022

"रथ के पहिये - राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 - ने इंटर्नशिप, शिक्षुता और कौशल के साथ घूमना शुरू कर दिया है" - शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमिता केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा।
उन्होंने अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (ए.आई.सी.टी.ई.) इंटर्नशिप पोर्टल के माध्यम से एक लाख से अधिक इंटर्नशिप अवसरों का शुभारंभ किया। सेल्सफोर्स, सिस्को और आर.एस.बी. ट्रांसमिशन इंडिया लिमिटेड के साथ **एम.जी.एन.सी.आर.ई.** द्वारा इंटर्नशिप के ये अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। आगामी इंटर्नशिप के अवसर ग्रामीण विकास मंत्रालय, सहकारिता मंत्रालय और रेल मंत्रालय से हैं।

तकनीकी के साथ-साथ उच्चतर शिक्षा के छात्रों के रोजगार कौशल को बढ़ाने के लिए ए.आई.सी.टी.ई. के इंटर्नशिप पोर्टल के माध्यम से ग्रामीण प्रबंधन, सलाह समर्थन, नेटवर्किंग और प्रोग्रामिंग, साइबर सुरक्षा और इंजीनियरिंग में फैले इंटर्नशिप की पेशकश की जाएगी।

"यह वही है जिसकी हमने कल्पना की है क्योंकि इंटर्नशिप के अवसर छात्रों के लिए यह समझने के लिए दरवाजे खोलेंगे कि एक विशेष उद्योग कैसे काम करता है। **ह्यूमैनिटीज** स्ट्रीम के छात्रों के लिए भी इंटर्नशिप की काफी संभावनाएं हैं। अगले 3 साल में 10 करोड़ छात्रों को इंटर्नशिप के मौके मिलने चाहिए। देश के दूर-दराज के क्षेत्रों में छात्रों को इंटर्नशिप के अवसर प्राप्त करने की सुविधा प्रदान की जानी चाहिए। वास्तव में यह बहुत अच्छा होगा यदि सभी उम्र के लोगों को इंटर्नशिप के अवसर मिलें क्योंकि सीखने और कौशल के लिए कोई आयु सीमा नहीं है। यह एक उत्पादक अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है," श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा।

प्रो. एम.पी. पूनिया उपाध्यक्ष ए.आई.सी.टी.ई. ने ऐसे इंटर्नशिप अवसरों की आवश्यकता और महत्व के लिए स्वर सेट करते हुए स्वागत भाषण दिया। इस कार्यक्रम में श्री के. संजय मूर्ति, सचिव उच्चतर शिक्षा, प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष ए.आई.सी.टी.ई., और प्रो. राजीव कुमार, सदस्य सचिव ए.आई.सी.टी.ई. ने भाग लिया। ए.आई.सी.टी.ई. के मुख्य समन्वय अधिकारी डॉ. बुद्ध चंद्रशेखर ने इंटर्नशिप के अवसरों और इंटर्नशिप देने वाले संगठनों के बारे में बात की।

ए.आई.सी.टी.ई. और एम.जी.एन.सी.आर.ई. ग्रामीण इंटर्नशिप के अवसरों के माध्यम से उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों के क्षमता निर्माण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं

"शहरों के छात्र, जो अब तक केवल शहरी जीवन तक ही सीमित थे, अब उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में हस्तक्षेप देखने का अवसर मिलेगा। इंटर्नशिप कार्यक्रम के पीछे यही पूरी भावना है," प्रो. अनिल सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष ए.आई.सी.टी.ई. ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कार्यक्रम में कहा। एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार ने देश के शहरी और साथ ही ग्रामीण, आदिवासी और सीमावर्ती क्षेत्र के छात्रों के लिए एम.ओ.यू. के विशाल अवसरों पर आशा व्यक्त की।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के ग्रामीण इंटर्नशिप कार्यक्रम को श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री द्वारा इंटर्नशिप के अवसरों की शुरुआत के साथ प्रोत्साहन मिला है।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. का एक जनपद एक उत्पाद कार्यक्रम अब लॉन्च के साथ पूरे देश में धूम मचाएगा क्योंकि देश भर में एक लाख से अधिक इंटर्नशिप के अवसर पैदा हुए हैं।

श्री धर्मेंद्र प्रधान ने ग्रामीण तल्लीनता नियमावली और सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक व्यस्तता को बढ़ावा देने वाली पुस्तक का विमोचन किया। मैनुअल और किताब एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा विकसित की गई थी।
डॉ. टी. नागलक्ष्मी सदस्य सचिव एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने केंद्रीय मंत्री को परिषद की ग्रामीण प्रबंधन पहल के बारे में अद्यतन किया।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. - समीक्षा में वर्ष 2021-22
प्रमुख उपलब्धियां - देश भर में 30% उच्चतर शिक्षा संस्थानों पर प्रभाव

सतत परिसरों पर जिला सतत सलाहकारों के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन	2
जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कार	400
प्रमुख समझौता ज्ञापन (ए.आई.सी.टी.ई., बी.बी.ए. आर.एम.)	66
नई तालीम, ग्रामीण तल्लीनता, ग्रामीण प्रबंधन, संस्थागत, ओ.डी.ओ.पी. पर कार्यशालाएं	3004
मनोसामाजिक समर्थन और मार्गदर्शन पर कार्यशालाएं	1311
संकाय विकास कार्यक्रम	34
पी.एच.डी फैलोशिप	20
ग्रामीण प्रबंधन इंटर्नशिप	30
कार्य अनुसंधान परियोजनाएं	30
प्रमुख अनुसंधान परियोजनाएं	24
लघु अनुसंधान परियोजनाएं	25
जर्नल्स (इंडियन जर्नल ऑफ रूरल एजुकेशन एंड एंगेजमेंट)	2
बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन पर पाठ्यपुस्तकें	30
बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन के लिए श्रव्य दृश्य संसाधन सामग्री	412
कॉलेज की सफलता की कहानियां संकलित (प्राप्त 286)	200
गांव का दौरा वीडियो	200

संपादक की टिप्पणी

जबरदस्त उपलब्धि का वर्ष! जैसा कि हम कोविड-19 महामारी के डर से जूझ रहे हैं, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने अपनी पिछले वर्ष की सफल रणनीतियों और उपलब्धियों पर सवारी की है और इस वर्ष भी अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है। सभी लक्ष्य पूरे कर लिए गए हैं। वर्ष का अंत अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (ए.आई.सी.टी.ई.) के साथ समझौता ज्ञापन द्वारा किया गया था, जो संस्थागत सामाजिक जिम्मेदारी, ग्रामीण सामुदायिक व्यस्तता, ग्रामीण व्यवसाय प्रबंधन, ग्रामीण उद्यमिता और ग्रामीण प्रौद्योगिकियों में इंटर्नशिप के अवसरों के लिए ए.आई.सी.टी.ई. के मंच को साझा करने के लिए है। इंटर्नशिप कार्यक्रम के लिए देश के सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्रों और आदिवासी क्षेत्रों के छात्रों को शामिल करने से इन शैक्षणिक रूप से वंचित क्षेत्रों के उच्चतर शिक्षण संस्थानों की क्षमता का निर्माण होगा और इन क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा और रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

मैं श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री को ए.आई.सी.टी.ई. इंटर्नशिप पोर्टल के माध्यम से एक लाख से अधिक इंटर्नशिप अवसरों को लॉन्च करने के लिए धन्यवाद देता हूं, जिसमें एम.जी.एन.सी.आर.ई. की इंटर्नशिप पेशकश भी शामिल है। मैं माननीय मंत्री जी को एक बार फिर वीडियो के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. संकाय विकास केंद्र का उद्घाटन करने के लिए धन्यवाद देता हूं और हमें ग्रामीण सरोकारों और सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों पर अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मार्गदर्शन करता हूं जो ग्रामीण भारत को प्रभावित और लाभान्वित करेंगे। तदनुसार, हमने अध्ययन के लिए 24 प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं का आह्वान किया और उन्हें सम्मानित किया जो संबोधित किए गए मुद्दों और नीति निर्माण के विभिन्न आयामों के साथ-साथ कार्यान्वयन के ज्ञान को बढ़ाएंगे, जबकि साथ ही विशिष्ट इनपुट के साथ पाठ्यचर्या विकसित करने में सहायता करेंगे; और 25 लघु अनुसंधान परियोजनाएं जिनके परिणाम होंगे जो नीति निर्माण के साथ-साथ कार्यान्वयन आयामों को संभालने में मदद करेंगे जिससे रचनात्मक नीति निर्माण में योगदान होगा। 20 पी.एच.डी. रिसर्च फेलोशिप राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा लागू की गई सार्वजनिक नीतियों के परिणामों पर अध्ययन के लिए प्रदान की गई थी, जिसमें ग्रामीण भारत की चिंताओं को संबोधित करने वाले तत्व थे।

वर्ष के अंत में, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने ग्रामीण प्रबंधन, स्वच्छता शिक्षा, अनुभवात्मक शिक्षा, कौशल एकीकृत शिक्षा, कॉलेजों और गांवों में स्थिरता, और ग्रामीण जुड़ाव पर शोध करने के लिए बहु-विषयक या सामाजिक विज्ञान अनुशासन के विद्वानों से प्रमुख और लघु कार्रवाई अनुसंधान प्रस्ताव आमंत्रित किए। संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व। हमें देश भर में मेजर एक्शन रिसर्च के लिए 106 और माइनर एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट्स के लिए 41 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

हमने दो राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए, जो कैंपस में सस्टेनेबिलिटी और सस्टेनेबिलिटी पहल को बढ़ावा देने में उच्च शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका को एक बड़ा प्रोत्साहन देते हैं। पहले राष्ट्रीय सम्मेलन ने सभी जिला स्थिरता सलाहकारों को परिसर और गांव स्थिरता प्रथाओं, ग्रामीण तल्लीनता, गांवों के साथ उच्चतर शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों और छात्रों के जुड़ाव के लिए अपने विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान किया। दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन ने 20 मास्टर प्रशिक्षकों/जिला सस्टेनेबिलिटी मेंटर्स को अपनी एक्शन रिसर्च रिपोर्ट साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया, जिसमें उन्होंने स्थिरता सूचकांक सूचना संग्रह की सुविधा के लिए प्रमुख सलाह कौशल और सुविधा उपकरणों की पहचान करने के लिए अपने अभिविन्यास, उनकी कार्रवाई और शोध पद्धतियों का स्पष्ट कवरेज प्रस्तुत किया। अपने आवंटित राज्यों में 10 जिलों से प्रत्येक में कम से कम 50 संस्थान।

हम ग्रामीण उच्चतर शिक्षा संस्थानों के लिए परामर्श कौशल और सुविधा कौशल पर एक दिवसीय क्षेत्र कार्य के साथ 6-दिवसीय ऑफलाइन संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए 27 राज्यों में मानव संसाधन विकास केंद्रों (एच.आर.डी.सी.) के साथ सहयोग कर रहे हैं।

टीम एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने अपने निर्धारित लक्ष्यों की दिशा में अथक प्रयास किया है। वर्ष के अंत में, हम ऑफ़लाइन कार्यक्रमों में वापस आ गए हैं जो हमें अच्छी तरह से महसूस करते हैं और हमें अधिक उत्पादक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। इस वर्ष हासिल किया गया कार्य हमारी सामाजिक जिम्मेदारियों, सामुदायिक व्यस्तता, परामर्श और सुविधा सहायता, ग्रामीण प्रबंधन, उद्यमिता और इंटर्नशिप को जोड़ता है। अधिक महत्वपूर्ण रूप से अनुभवात्मक शिक्षा सभी कार्यशालाओं और संकाय विकास कार्यक्रमों में सबसे आगे रही है। हमारे एक जनपद एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) अभियान को देश के राज्यों में भारी प्रतिक्रिया मिली है। हमारी स्वच्छता कार्य योजना के लक्ष्यों को सावधानीपूर्वक योजना और क्रियान्वयन के साथ परा कियी गया है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने 400 जिला ग्रीन चैंपियंस 2021-22 की घोषणा की है, जिसमें कुल संख्या 800 हो गई है। पिछले साल 400 जिला ग्रीन चैंपियंस की घोषणा की गई थी और जिला कलेक्टरों, आयुक्तों, मजिस्ट्रेटों और प्रशासनिक प्रमुखों द्वारा प्रमाण पत्र दिए गए थे।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा सलाह और सुविधा दिए जाने के बाद डिस्ट्रिक्ट ग्रीन चैंपियन लगातार अपनी स्थिरता की पहल पर काम कर रहे हैं।

हमने देश के सभी राज्यों में ऑनलाइन मोड में 3000 से अधिक कार्यशालाएं आयोजित कीं, जिसमें नई तालीम-अनुभवात्मक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा शिक्षाशास्त्र कार्य योजना 2021-22 (एस.सी.ई.आर.टी. + डाइट / विश्वविद्यालय शिक्षा विभाग + शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज टास्क फोर्स) शामिल हैं। स्वच्छता कार्य योजना संस्थागत कार्यशालाएं (स्थायी परिसरों और जिला सतत सलाहकारों की सलाह), ग्रामीण प्रबंधन, ग्रामीण तल्लीनता, और ओ.डी.ओ.पी.।

एम.जी.एन.सी.आर.ई., अनुभवात्मक शिक्षा, कार्य शिक्षा और सामुदायिक व्यस्तता पर यूनेस्को के अध्यक्ष ने अपने स्वयं के परिसर में पहला संकाय विकास कार्यक्रम (एफ.डी.पी.) आयोजित करके एक महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया। ग्रामीण अकादमिक नेतृत्व पर तीन एफ.डी.पी. आयोजित किए गए - समय क्षेत्र की आवश्यकता। संकाय को न केवल अकादमिक नेतृत्व के बारे में पता चलेगा बल्कि ग्रामीण संदर्भ में अकादमिक नेतृत्व को कैसे लागू किया जाए। एच.ई.आई. बेहतर स्थिति में आ जाएंगे और एन.ए.ए.सी., एन.आई.आर.एफ., एन.बी.ए. और अन्य क्षेत्रीय और राष्ट्रीय साख से सम्मानित होकर विधिवत मान्यता प्राप्त करेंगे। संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक व्यस्तता के लिए सुविधा के लिए सलाह पर भी एफ.डी.पी. आयोजित किए गए हैं, जिसके माध्यम से 274 जिला सतत सलाहकारों की पहचान की गई थी। एफ.डी.पी. "भावनात्मक आई-इंटेलिजेंस और लचीलापन का निर्माण - प्रायोगिक शिक्षण और सीखने की केस विधि"

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने सुविधाओं और विशेषज्ञता को साझा करके ग्रामीण प्रबंधन में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आपसी संबंधों की खोज, विस्तार और मजबूत करने के लिए 65 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। हमने ग्रामीण शिक्षा और जुड़ाव पर दो पत्रिकाएं, बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम के लिए 30 पाठ्य पुस्तकें, बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन के लिए 412 ऑडियो-विजुअल संसाधन सामग्री, 200 कॉलेज की सफलता की कहानियां और 200 गांव के दौरे के वीडियो प्रकाशित किए हैं।

मैं दोहराता हूं **"किसान एक ग्रामीण उद्यमी है"** और जो छात्र किसानों के साथ इंटर्न करते हैं वे ग्रामीण क्षेत्रों की स्पष्ट समझ हासिल करने के लिए प्रतीक होते हैं। मैं एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम के सहयोग से अगले वर्ष बेहतर प्रदर्शन और अधिक उपलब्धियों की आशा करता हूं।

डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

ए.आई.सी.टी.ई. के इंटर्नशिप पोर्टल के माध्यम से प्रदान की जाने वाली एम.जी.एन.सी.आर.ई. की ग्रामीण इंटर्नशिप ग्रामीण विकास परिदृश्य को काफी हद तक बदल देगी क्योंकि देश के ग्रामीण, आदिवासी और सीमावर्ती क्षेत्रों के उच्चतर शिक्षा संस्थान लाभ उठाएंगे और इस तरह योगदान देंगे। इन क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए।

हमने मनोसामाजिक सहायता सेवाएं (हर एक पहुंच एक! बीट कोविड अभियान) प्रदान करके सामुदायिक आउटरीच का अपना हिस्सा किया है। छात्र स्वयंसेवकों को स्वच्छता, स्वास्थ्य और सफाई प्रथाओं के बारे में जागरूक किया गया और साथ ही कोविड प्रभावित रोगियों और उनके परिवारों और दोस्तों को परामर्श प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। इसने छात्रों के साथ जुड़ने के दोहरे लक्ष्य के रूप में काम किया और उन्हें समय की आवश्यकता के अनुसार एक सामाजिक और नेक काम के लिए भी कौम किया। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने उच्चतर शिक्षा संस्थानों के साथ 20-दिवसीय बीट कोविड अभियान पर काम किया, जिसमें छात्र स्वयंसेवकों ने जरूरतमंदों को ऑनलाइन या ऑफलाइन मोड में मनोसामाजिक सहायता प्रदान की। एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा 27 राज्यों में 412 जिलों को कवर करते हुए 1311 बीट-कोविड अभियान कार्यशालाएं आयोजित की गईं। एच.ई.आई. में 7,850 फैकल्टी और 68,193 छात्र शामिल थे। इन कार्यशालाओं में 4,14,751 छात्र उन्मुख थे। इस प्रयास से कुल 42,96,585 लोगों की सामुदायिक पहुंच हुई।

तेलंगाना में 15 उच्चतर शिक्षा संस्थानों में कौशल आधारित व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई., कॉलेजिएट शिक्षा आयुक्त, तेलंगाना के साथ, मीडिया और मनोरंजन और रसद परिषदों को कवर करने वाले कौशल विकास परिषदों में शामिल हो गया।

पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. एन.सी.ई.आर.टी. भोपाल के सहयोग से आजादी का अमृत महोत्सव प्रतियोगिताओं के हिस्से के रूप में 165 जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों (डाइट) से 476 विजेताओं की घोषणा की गई। सभी राज्यों में कुल 23,126 प्रतिभागियों को शामिल करते हुए 428 व्यावसायिक शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। फोकस क्षेत्रों में व्यावसायिक शिक्षा, आत्मनिर्भरता (आत्मनिर्भरता), स्वच्छता और स्वास्थ्य और सामुदायिक व्यस्तता शामिल थे। .

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने आर.सी.आई. यू.बी.ए. के रूप में तेलंगाना के ज़िलों में कई ज्ञान सीझा करने की गतिविधियों का संचालन करके राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का काम किया है।

मैं श्री धर्मेंद्र प्रधान जी को इंटर्नशिप और ए.आई.सी.टी.ई. को एम.जी.एन.सी.आर.ई. के साथ सहयोग करने के लिए धन्यवाद देता हूं। अगले वर्ष की उपलब्धियां वास्तव में आगे देखने लायक हैं क्योंकि एम.जी.एन.सी.आर.ई. राष्ट्र के लिए उत्पादक और प्रभावशाली योगदान के एक और वर्ष की शुरुआत कर रही है।

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

ए.आई.सी.टी.ई. और एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने ग्रामीण इंटर्नशिप के अवसरों के माध्यम से उच्चतर शिक्षण संस्थानों की क्षमता निर्माण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

प्रो. अनिल सहस्रबुद्धे अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष ने अपने सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रयासों की सराहना की, जिसने देश भर में 5 लाख से अधिक छात्रों को प्रेरित किया है। वह महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एम.जी.एन.सी.आर.ई.), उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर करने के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। एम.ओ.यू. संस्थागत सामाजिक जिम्मेदारी, ग्रामीण सामुदायिक व्यस्तता, ग्रामीण व्यवसाय प्रबंधन, ग्रामीण उद्यमिता और ग्रामीण प्रौद्योगिकियों में इंटर्नशिप के अवसरों के लिए ए.आई.सी.टी.ई. के मंच को साझा करने के लिए है।

समझौता ज्ञापन पर ए.आई.सी.टी.ई. के सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार और एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार ने हस्ताक्षर किए। एम.ओ.यू. साइनिंग इवेंट में ए.आई.सी.टी.ई. और एम.जी.एन.सी.आर.ई. के कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

प्रो. सहस्रबुद्धे ने कहा, "शहरों के छात्र, जो अब तक केवल शहरी जीवन तक ही सीमित थे, उन्हें अब ग्रामीण क्षेत्रों में हस्तक्षेप देखने का अवसर मिलेगा। इंटर्नशिप कार्यक्रम के पीछे यही पूरी भावना है। हम भाग्यशाली हैं कि हमें ऐसी सीख मिली और देश की भलाई और बेहतर जीवन में योगदान दिया। हम एम.जी.एन.सी.आर.ई. के साथ एक भाईचारे के सहयोग को साझा करते हैं और पिछले कुछ वर्षों में परिषद की घातीय वृद्धि देख रहे हैं।

हमें गर्व है कि एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने देश भर में 25000+ उच्चतर शिक्षण संस्थानों के साथ नेटवर्क किया है और 5 लाख से अधिक छात्रों को राष्ट्रीय कल्याण में योगदान करने के लिए प्रेरित किया है। जैसे बच्चे अपनी मां की गोद में सीखते हैं, वैसे ही इंटर्न मां प्रकृति के पास जाएंगे

और सीखने के अविश्वसनीय अनुभव होंगे। यह ए.आई.सी.टी.ई. और एम.जी.एन.सी.आर.ई. के लिए पारस्परिक लाभ की स्थिति है क्योंकि विशेषज्ञता साझा की जाती है और ज्ञान का प्रसार किया जाता है।"

डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार ने परिषद के कई शैक्षणिक, अनुभवात्मक शिक्षण, सामाजिक और ग्रामीण हस्तक्षेपों की व्याख्या करते हुए यह भी कहा कि एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा विकसित एम.बी.ए. अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम 15 उच्चतर शिक्षण संस्थानों के साथ पहले से ही अपने संस्थानों में कार्यक्रम शुरू कर रहा है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. इस इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत छात्रों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए उच्चतर शिक्षण संस्थानों और जिला स्तर के ग्रामीण उद्यमों और व्यवसायों के साथ साझेदारी में क्षमता निर्माण की पहल करेगा। कार्यक्रमों को ग्रामीण सरोकारों और स्थिरता के वातावरण को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया जाएगा जो छात्रों के करियर में मूल्य जोड़ने वाले कैरियर के रास्ते को प्रोत्साहित करेगा और उनमें आवश्यक और रचनात्मक परिवर्तन भी लाएगा।

ए.आई.सी.टी.ई. के मुख्य समन्वय अधिकारी डॉ. बुद्ध चंद्रशेखर ने वर्तमान समझौता ज्ञापन के महत्व और प्रासंगिकता पर जोर देते हुए देश के सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्रों और आदिवासी क्षेत्रों के छात्रों को इंटर्नशिप कार्यक्रम के लिए शामिल करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, "इन शैक्षणिक रूप से वंचित क्षेत्रों से उच्चतर शिक्षण संस्थानों की क्षमता निर्माण इन क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा और रोजगार के अवसर पैदा करेगा", उन्होंने कहा।

राष्ट्रीय सम्मेलन - कॉलेजों और गांवों में स्थिरता को बढ़ावा देना

21-22 मार्च और 26-27 मार्च

अकादमिक व्यस्तता के लिए एक मंच प्रदान करना

स्थाई परिसर और सतत सामुदायिक व्यस्तता को बढ़ावा देना और निगरानी करना

एम.जी.एन.सी.आर.ई., गांवों के साथ उच्चतर शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों और छात्रों के जुड़ाव के माध्यम से ग्रामीण लचीलापन को बढ़ावा देने के अपने प्रयास में, उच्चतर शिक्षण संस्थानों के साथ नेटवर्किंग कर रहा है और परिसर के साथ-साथ गोद लिए गए गांवों में स्थिरता प्राप्त करने के लिए निरंतर इनपुट प्रदान कर रहा है। स्थिरता अभ्यासपांच महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर केंद्रित है - स्वच्छता और स्वस्थ, जल प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, हरियाली और ऊर्जा संरक्षण। इस संबंध में एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने देश भर में 5 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किए और उन संकाय विकास कार्यक्रमों से 274 जिला स्थिरता सलाहकारों की पहचान की जो अपने संबंधित जिलों में उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों और गांवों के बीच स्थिरता प्रथाओं को बढ़ावा दे सकते हैं।

दो राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए गए - 21-22 मार्च 2022 को कॉलेजों और गांवों में स्थिरता को बढ़ावा देने और मास्टर ट्रेनर्स और जिला स्थिरता सलाहकारों के लिए कॉलेजों और गांवों में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए कौशल और सुविधा उपकरण पर 26-27 मार्च 2022

21 और 22 मार्च 2022 को एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन संस्थागत स्थिरता को बढ़ावा देने में जिला स्थिरता सलाहकारों के अनुभवों को समझना और साझा करना था। इस राष्ट्रीय सम्मेलन ने सभी जिला स्थिरता सलाहकारों को परिसर और गांव स्थिरता प्रथाओं, ग्रामीण तल्लीनता, गांवों के साथ उच्चतर शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों और छात्रों के जुड़ाव के लिए अपने विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान किया। राष्ट्रीय सम्मेलन ने संस्थानों और गांवों के बीच स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए उनके संबंधित जिलों में इंटर्नशिप, शिक्षुता और उद्यमिता के अवसर प्राप्त करने के लिए उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया।

"विज्ञान और अध्यात्म के बीच कोई संघर्ष नहीं है" डॉ. सी. उमामहेश्वर राव, *सेवानिवृत्त आई.ए.एस. और एम.जी.एन.सी.आर.ई. गवर्निंग काउंसिल के सदस्य, ने कहा क्योंकि उन्होंने वनों की कटाई, भूमि क्षरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी कई प्रमुख समस्याओं को संबोधित करने पर जोर दिया, जो नीति निर्माताओं का तत्काल ध्यान आकर्षित करते हैं।*

डॉ. नंदिता पाठक, जो स्वच्छ भारत अभियान के लिए एक सामाजिक उद्यमी और ब्रांड एंबेसडर हैं और जिन्होंने भारत रत्न श्री नानाजी देशमुख जी के साथ भी काम किया है, उन्होंने चित्रकूट परियोजना के साथ काम करने के अपने अनुभव साझा किए, जो चित्रकूट के आसपास के 500 गांवों में एक आत्मनिर्भरता कार्यक्रम है। ***"भागीदारी और पारदर्शिता-किसी भी नीति के सफल कार्यान्वयन की कुंजी", उन्होंने कहा।***

"ग्रामीण इंटर्नशिप ग्रामीण उदयमियों को अपने व्यवसाय के संचालन को बढ़ाने में संभावित इनपुट प्राप्त करने में मदद करेगी, स्थायी प्रथाओं के माध्यम से रोजगार के अवसरों के सृजन की गुंजाइश की पहचान करेगी" अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने कहा कि उन्होंने उत्पत्ति और संदर्भ साझा किया और सम्मेलन का एजेंडा पेश किया।

डॉ. टी. नागलक्ष्मी, सदस्य सचिव एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने एक ब्रिटिश एक्सप्लोरर रॉबर्ट स्वान को उद्धृत करते हुए अपने-अपने कर्तव्यों को निभाने पर जोर दिया, **"हमारे ग्रह के लिए सबसे बड़ा खतरा यह विश्वास है कि कोई और इसे बचाएगा"।** उन्होंने इस सम्मेलन के महत्व का भी हवाला दिया और यह भी बताया कि यह एम.जी.एन.सी.आर.ई. की कार्य योजना का पालन करके अर्थव्यवस्था की मदद कैसे करेगा।

समापन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि को संबोधित करते हुए ***मिश्रा धातु निगम लिमिटेड (मिधानी) के अध्यक्ष डॉ. एस.के. झा ने कहा, "समुदाय के लिए काम करना और कुशल होना बहुत अधिक महत्व रखता है और यह एन.ई.पी. 2020 द्वारा परिकल्पित हालिया विकास है। कॉलेजों और गांवों में स्थिरता को बढ़ावा देने की एम.जी.एन.सी.आर.ई. की पहल दोनों को उधार देती है"।*** डॉ. डी.एन. दास, सहायक निदेशक, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। संस्थागत स्थिरता को बढ़ावा देने में उनके प्रयासों और समर्थन के लिए प्रत्येक जिला स्थिरता सलाहकार को एक प्रमाण पत्र के साथ प्रस्तुत किया गया था। डॉ. एस.के. झा ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा की गई पहल की सराहना की और सभी डी.एस.एम. को स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए बधाई दी जो न केवल पर्यावरणीय चिंताओं में मदद करता है बल्कि आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने ग्रामीण तल्लीनता के क्षेत्र में अधिक कार्य को बढ़ावा देने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. के लिए और अधिक सुविधाओं की आवश्यकता व्यक्त की।

राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रतिभागियों के स्नैपशॉट

बिहार

छत्तीसगढ

कर्नाटक

उड़ीसा

राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और पंजाब

गुजरात

झारखंड

आंध्र प्रदेश

मध्य प्रदेश

तेलंगाना

"किसान एक ग्रामीण उद्यमी है। छात्रों को किसान के साथ अपनी इंटर्नशिप करने की जरूरत है "-

डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई.

पर्यावरण स्थिरता और उच्चतर शिक्षा संस्थानों और उनके गोद लिए गांवों के लिए स्वच्छता कार्य योजना के तहत हरित लेखा परीक्षा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। और एम.जी.एन.सी.आर.ई. नोडल एजेंसी है जिसे भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस परियोजना को लाग करने और निगरानी करने के लिए सौंपा गया है। स्थिरता प्रथाएं पांच मैहत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती है जिसमें स्वच्छता और स्वस्थ, जल प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, हरियाली और ऊर्जा संरक्षण शामिल हैं।

26 और 27 मार्च 2022 को एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन संस्थागत स्थिरता को बढ़ावा देने में मास्टर ट्रेनर्स और डिस्ट्रिक्ट सस्टेनेबिलिटी मेंटर्स के अनुभवों को समझने और साझा करने के लिए था। इस राष्ट्रीय सम्मेलन ने 20 मास्टर ट्रेनर्स / डिस्ट्रिक्ट सस्टेनेबिलिटी मेंटर्स को अपनी एक्शन रिसर्च रिपोर्ट साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया, जिसमें उन्होंने अपने उन्मुखीकरण, उनकी कार्रवाई और अनुसंधान पद्धतियों का स्पष्ट कवरेज प्रस्तुत किया, ताकि प्रमुख सलाह कौशल और सुविधा उपकरण की पहचान की जा सके ताकि स्थिरता सूचकांक सूचना संग्रह को सुविधाजनक बनाया जा सके। अपने आवंटित राज्यों में 10 जिलों से प्रत्येक में कम से कम 50 संस्थान।

मास्टर ट्रेनर्स/डिस्ट्रिक्ट सस्टेनेबिलिटी मेंटर्स ने विशद एक्शन रिसर्च रिपोर्ट तैयार की, पीयर ने समीक्षा की और पेपर प्रस्तुत किया कि कैसे उन्होंने आवश्यक कौशल, दृष्टिकोण और ज्ञान के साथ दस पहचाने गए जिलों में से प्रत्येक में एम.जी.एन.सी.आर.ई. डिस्ट्रिक्ट सस्टेनेबिलिटी मेंटर्स को सलाह दी और सुविधा प्रदान की। प्रशिक्षित डिस्ट्रिक्ट सस्टेनेबिलिटी मेंटर्स ने अपने संबंधित जिलों में उच्चतर शिक्षा संस्थानों को कैंपस और गोद लिए गए गांवों में पर्यावरणीय स्थिरता पर सलाह दी, जिससे जिला स्थिरता लक्ष्यों, राज्य स्थिरता लक्ष्यों, राष्ट्रीय स्थिरता लक्ष्यों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों में योगदान दिया। विभिन्न पाठ्यक्रमों में मेंटरशिप (छात्रों की) (पाठ्यचर्या विशिष्ट व्यावहारिक कार्य और परियोजनाओं के साथ अनुभवात्मक शिक्षण) जो संस्थान प्रदान करते हैं।

अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने मास्टर ट्रेनर्स/ज़िला सस्टेनेबिलिटी मेंटर्स को उनकी उल्लेखनीय और अनूठी उपलब्धियों के लिए बधाई दी, साथ ही उच्चतर शिक्षण संस्थानों में स्थिरता पहल को विकसित करने में सलाह और सुविधा की भूमिका के महत्व पर जोर दिया। डीओपीटी प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स और इन-हाउस रिसोर्स पर्सन से कई परामर्श और सुविधा सत्रों में उन्हें दिए गए प्रशिक्षण से सशक्त होकर, प्रत्येक प्रतिभागी ने बताया कि वे अपने काम के बारे में कैसे गए। ऐसी कई चुनौतियाँ थीं जिन पर उन्होंने चर्चा की और यह भी बताया कि कैसे उन्होंने उन चुनौतियों से पार पाया और उन्हें सौंपे गए कार्य को पूरा करने की दिशा में काम किया।

प्रतिभागियों को 3 टीमों में बनाया गया था। वे पहले से ही अपनी कार्य अनुसंधान परियोजनाओं पर काम कर चुके थे और सम्मेलन में उसी पर चर्चा करने के लिए सुसज्जित थे। उनमें से प्रत्येक अपने व्यक्तिगत काम के बारे में वाक्पटु थे और अपने संबंधित समूहों में साझा करते थे कि उन्होंने कार्यों पर कैसे काम किया और कैसे उन्होंने काम को पूरा करने के लिए अपने जिलों के जिला स्थिरता सलाहकारों की निगरानी, सलाह और सुविधा प्रदान की।

कार्य अंसंधान के दो प्रमुख उद्देश्य हैं:
1. शोधकर्ता के परामर्श कौशल का विश्लेषण करना, जो 10 डी.एस.एम. का मेंटर है और मेंटरशिप के प्रमुख कौशल की पहचान करना, जो दिए गए समय के भीतर परियोजना को सुचारू रूप से पूरा करने में काम करता है
2. प्रमुख मेंटी के कौशल और दक्षताओं का विश्लेषण करें जो दिए गए समयरेखा समूह 1 के भीतर परियोजना को सुचारू रूप से पूरा करने में मदद करते हैं

कार्य में ग्रुप 1 - डॉ. सविता मिश्रा, डॉ. योगिता मंडोले, डॉ. रजनी .जी, किरण चंदेल, मेलविन नोरोन्हा, विशाल अग्रवत, मनोज परमार सरस्वती डे

कार्य में ग्रुप 2 - डॉ. वनथी .आर, डॉ. शाइनी सी.एम., डॉ. पल्लवी कौल, समर्थ शर्मा, सुश्री पद्मा जे, क्. आरज़ू तंवर

कार्य में ग्रुप 3 - डॉ. रणबीर सिंह बत्तन, डॉ. अनिल कुमार दुबे, डॉ. शत्रुघ्न सिंह, डॉ. प्रियवर्त शर्मा, कु. ख्याति धुर्वे

श्रीमती पद्मा जुलूरी, संसाधन व्यक्ति एम.जी.एन.सी.आर.ई., डिस्ट्रिक्ट सस्टेनेबिलिटी मेंटर और मास्टर ट्रेनर ने ग्रामीण तल्लीनता, ग्राम पंचायत विकास योजना और ग्रामीण इंटर्नशिप पर सत्र के हिस्से के रूप में ग्राम पंचायत विकास योजना (जी.पी.डी.पी.) पर एक केस स्टडी प्रस्तुत की। उन्होंने ग्रामीण तल्लीनता, पी.आर.ए., पी.एल.ए. तकनीकों का अभ्यास करने और एक विशिष्ट गांव के विभिन्न पहलुओं पर बात की। उन्होंने ग्रामीण तल्लीनता क्या, क्यों और कैसे करना है और केस का उपयोग करके लागू की जाने वाली तकनीकी और शोध पद्धतियों के व्यापक और विशद विवरण पर चर्चा की। जी.पी.डी.पी. व्यापक है और समुदाय विशेष रूप से ग्राम सभा को शामिल करने वाली भागीदारी प्रक्रिया पर आधारित है, और संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में सूचीबद्ध **29** विषयों से संबंधित सभी संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों / लीइन विभागों की योजनाओं के साथ अभिसरण में होगा। ग्राम पंचायतों को उनके पास उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय के लिए ग्राम पंचायत विकास योजना (जी.पी.डी.पी.) तैयार करने के लिए भी संवैधानिक रूप से अनिवार्य है।

मुख्य तथ्य : ग्रामीण तल्लीनता के बारे में मास्टर ट्रेनर्स शुरू कर दिए गए हैं। वे सीखेंगे और काम करेंगे

1. पी.आर.ए., पी.एल.ए. तकनीक
2. जी.पी.डी.पी. और ग्रामीण उद्यमिता
3. ग्रामीण इंटर्नशिप
4. सामाजिक व्यस्तता
5. ग्रामीण तल्लीनता, ग्राम पंचायत विकास योजना, युवा आजीविका अभ्यास, ग्रामीण उद्यमिता, ग्रामीण विपणन योजना, साझा करना, धैर्य, कड़ी मेहनत, टीम वर्क, नम्रता, लक्ष्य उपलब्धि
6. अनुभवात्मक शिक्षा

एम.जी.एन.सी.आर.ई. को देश भर में मेजर एक्शन रिसर्च के लिए 106 और माइनर एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट्स के लिए 41 प्रस्ताव मिले हैं

संस्थागत सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक व्यस्तता एक 2 - क्रेडिट पाठ्यक्रम होने जा रहा है जिसे अगले शैक्षणिक वर्ष से भारत के सभी उच्चतर शिक्षा संस्थानों में एन.ई.पी. 2020 के हिस्से के रूप में पेश किया जाएगा। एम.जी.एन.सी.आर.ई. इस संबंध में क्षमता निर्माण करना जारी रखेगी। सोशल वर्क फैकल्टी के एक्शन रिसर्च का उद्देश्य नानाजी देशमुख जी के चित्रकूट मॉडल की तर्ज पर प्रोफेशनल सोशल वर्क लर्निंग या भारतीय पद्धतियों और फिलॉसफी ऑफ सोशल वर्क की शुरुआत करना है, जो इसकी निगरानी और प्रबंधन करते हुए फील्ड स्तर पर प्रस्तावित कोर्स लेनदेन में है। एक मजबूत राय है कि भारत और अन्य जगहों पर वर्तमान सामाजिक कार्य अभ्यास काफी हद तक अधिकार आधारित हो गया है। यह महसूस किया गया है कि स्थिरता को वास्तविकता बनाने के लिए शक्ति आधारित दृष्टिकोण पर ध्यान देने की आवश्यकता है। यह प्रयास सांस्कृतिक रूप से निहित शक्तियों पर आधारित प्रथाओं के साथ अभ्यास की जाने वाली विधियों को पुनर्निर्देशित करने का है।

इस संबंध में, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने निम्नलिखित क्षेत्रों में से किसी पर शोध करने के लिए बहु-विषयक या सामाजिक विज्ञान विषयों के विद्वानों से प्रमुख और लघु कार्रवाई अनुसंधान प्रस्ताव आमंत्रित किए:

1. ग्रामीण प्रबंधन
2. स्वच्छता शिक्षा
3. अनुभवात्मक शिक्षा
4. कौशल एकीकृत शिक्षा
5. कॉलेजों और गांवों में स्थिरता
6. ग्रामीण जुड़ाव और संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व

एम.जी.एन.सी.आर.ई. को देश भर में मेजर एक्शन रिसर्च के लिए 106 और माइनर एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट्स के लिए 41 प्रस्ताव मिले हैं। प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था और विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर वर्ष 2021-22 और 2022-23 के लिए 26 प्रमुख कार्य अनुसंधान प्रस्तावों और 25 लघु कार्य अनुसंधान प्रस्तावों की सिफारिश की गई थी।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. - विश्वविद्यालय - एच.आर.डी.सी./एफ.डी.सी./टी.एल.सी. सहयोगी संकाय विकास कार्यक्रम 2022-23

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने विभिन्न विश्वविद्यालयों-मानव संसाधन विकास केंद्र (एच.आर.डी.सी.)/संकाय विकास केंद्र (एफ.डी.सी.)/शिक्षण शिक्षण केंद्र (टी.एल.सी.) के साथ सहयोगात्मक आधार तैयार किया है, जिसमें मेंटरिंग स्किल्स और फैसिलिटेशन पर एक दिवसीय क्षेत्र कार्य के साथ 6-दिवसीय ऑफलाइन संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। ग्रामीण उच्चतर शिक्षा संस्थानों के लिए कौशल। इस संकाय विकास कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को शिक्षण-अधिगम वातावरण में नवीन प्रगति और सुधार करने के लिए तैयार करना है। संस्थागत और संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने में संकाय का मार्गदर्शन एक लंबा सफर तय करेगा। उच्च शिक्षा मानव कल्याण के लिए ज्ञान पैदा करने के लिए जिम्मेदार है। लेकिन पिछले दो दशकों में इस पहलू को बदल दिया गया है जब ज्ञान को ज्ञान अर्थव्यवस्था में बदल दिया गया है और लगभग सभी देशों में उच्चतर शिक्षा इस अवधारणा से प्रेरित हो रही है। यही कारण है कि आज के उच्चतर शिक्षा संस्थानों को आपस में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। उच्चतर शिक्षण संस्थानों का मूल्यांकन छात्रों के प्रदर्शन और उनकी रोजगार योग्यता प्रोफाइल के आधार पर किया जाता है। विश्वविद्यालयों की वैश्विक रैंकिंग अकादमिक प्रतिष्ठा (शिक्षण और अनुसंधान), नियोक्ता प्रतिष्ठा, शिक्षकों द्वारा किए गए शोध और उनके उद्धरणों जैसे मानकों पर की जाती है। रैंकिंग ने एक ऐसा माहौल बनाया है जिसमें केवल सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थान ही बचे रहेंगे और बाकी सब नष्ट हो जाएंगे।

सीखने के परिणामों में यह शामिल हैं:
संकाय को न केवल अकादमिक नेतृत्व के बारे में पता चलेगा बल्कि ग्रामीण संदर्भ में अकादमिक नेतृत्व को कैसे लागू किया जाए। वे करियर और शिक्षा में नेतृत्व के महत्व के बारे में जान सकेंगे। टीमे के सदस्यों को साथ लेकर चलते हुए अभूतपूर्व परिणाम प्राप्त करने के लिए नेतृत्व गुणों के महत्व को सूक्ष्मता से प्रदर्शित किया जाएगा। अच्छे नेता बनकर वे अपने एच.ई.आई. को महान ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। एच.ई.आई. बेहतर स्थिति में आ जाएंगे और एन.ए.ए.सी., एन.आई.आर.एफ., एन.बी.ए. और अन्य क्षेत्रीय और राष्ट्रीय साख में उच्चतर रैंकिंग प्राप्त करके विधिवत मान्यता प्राप्त करेंगे।

सहयोगात्मक छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए निम्नलिखित विश्वविद्यालयों ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. के साथ नेटवर्क किया:

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

1 हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला हिमाचल प्रदेश
2 सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय महाराष्ट्र
3 गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी असम
4 जे.एन.वी.यू. जोधपुर राजस्थान
5 श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय तिरुपति आंध्र प्रदेश
6 महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक हरियाणा
7 पटना विश्वविद्यालय बिहार
8 देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर मध्य प्रदेश
9 त्रिपुरा विश्वविद्यालय त्रिपुरा
10 गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर पंजाब
11 श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय जम्मू और कश्मीर
12 वनस्थली विद्यापीठ राजस्थान
13 शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर महाराष्ट्र
14 रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय मध्य प्रदेश
15 बैंगलोर विश्वविद्यालय कर्नाटक
16 सरदार पटेल विश्वविद्यालय गुजरात
17 मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय तेलंगाना
18 जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हैदराबाद तेलंगाना
19 दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली
20 बनारस हिंदू विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश
21 भारतीदासन विश्वविद्यालय तमिलनाडु
22 उस्मानिया विश्वविद्यालय तेलंगाना
23 इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय मध्य प्रदेश
24 उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय पश्चिम बंगाल
25 पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला पंजाब
26 तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविदयालय तमिलनाडु

संकाय विकास कार्यक्रम

"सामुदायिक व्यस्तता के लिए सुविधा और संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए मार्गदर्शन"

#	राज्य	जिला	प्रतिभागी	संस्थान	दिनांक
1	पश्चिम बंगाल	दक्षिण दिनाजपुर, कलिम्पोंग, पुरुलिया, मालदा	103	25	1-5 मार्च
2	तमिलनाडु	चेन्नई, कुड्डालोर, रानीपेट, तिरुपत्तूर, तिरुवल्लूर और वेल्लोर	21	7	28 फरवरी-4 मार्च
3	तेलंगाना	निर्मल, खम्मम, करीमनगर, भद्राद्री कोठागुडेम, आदिलाबाद, कुमरंभीम आसिफाबाद, रंगा रेड्डी, हैदराबाद, सिद्दीपेट, वरंगल	36	17	7-11 मार्च

"एफ.डी.पी. एक आकर्षक सीखने का अनुभव था और हमें नहीं पता था कि 5 दिन कैसे बीत गए", 7 संस्थानों के 21 प्रतिभागियों में से कुछ ने कहा, जिन्होंने एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा 28 फरवरी 2022 से 4 मार्च 2022 तक आयोजित संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक व्यस्तता की सुविधा के लिए ऑनलाइन एफ.डी.पी. में भाग लिया। एफ.डी.पी. ने प्रधानाचार्यों और संकाय के लिए परामर्श कौशल पर ध्यान केंद्रित किया, जो तब अपने संबंधित कॉलेजों और पड़ोस के गांवों में पर्यावरणीय स्थिरता प्रथाओं की सुविधा प्रदान करेंगे। प्रख्यात संसाधन व्यक्तियों ने ग्रामीण मूल्यों, ग्रामीण समाज, ग्रामीण आजीविका, ग्रामीण उद्यमिता, ग्रामीण संस्थानों, ग्रामीण जुड़ाव, जल संरक्षण और जल जीवन मिशन, अपशिष्ट प्रबंधन और परियोजना प्रबंधन पर अनुभवों और मामलों को साझा किया। ए.आई.एम.ए.एन. कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस फॉर विमेन की प्रिंसिपल डॉ. सुहासिनी अर्नेस्ट ने उद्घाटन भाषण में संबोधित किया।

डॉ. इनबावल्ली, प्रिंसिपल, मरुधर केसरी जैन कॉलेज फॉर विमेन, ने नेतृत्व कौशल और सामुदायिक व्यस्तता परियोजनाओं को लागू करने के अपने अनुभवों के बारे में साझा किया।

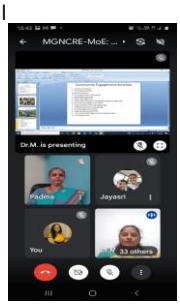

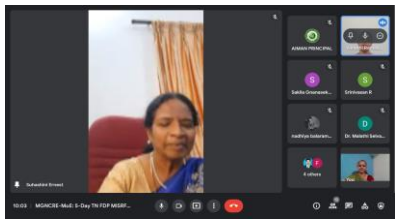

डॉ. सुहासिनी अर्नेस्ट, प्रिंसिपल ए.आई.एम.ए.एन. कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस फॉर विमेन, त्रिची उद्घाटन भाषण देते हुए

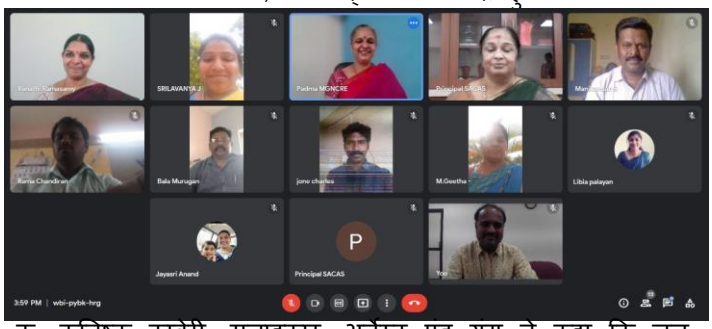

क. कनिष्क कावेरी, सलाहकार, अर्नेस्ट एंड यंग ने कहा कि जल जीवन मिशन परियोजना को लागू करने के अपने अनुभवों को साझा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

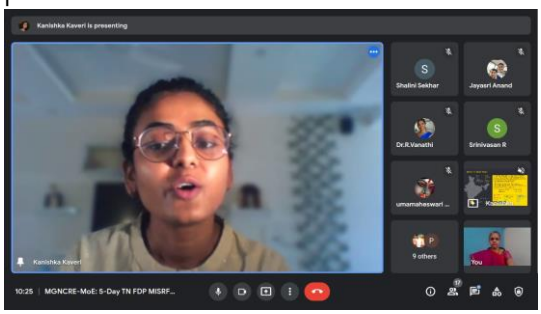

पश्चिम बंगाल एफ.डी.पी. में **25** संस्थानों ने सस्टेनेबिलिटी इंडेक्स प्रोफार्मा भरा गया

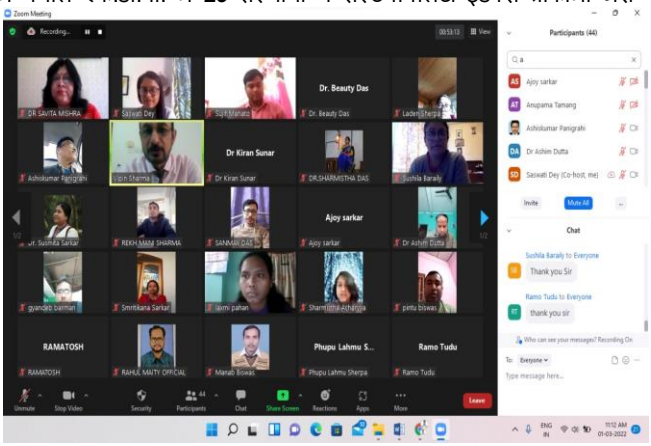

तेलंगाना एफ.डी.पी. में 17 संस्थानों ने स्थिरता सूचकांक प्रोफार्मा भरा है

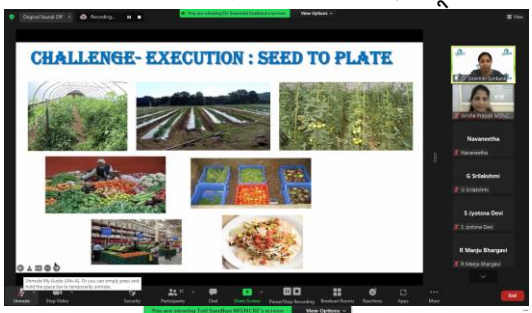

ग्रामीण प्रबंधन - एक जनपद एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) अभियान
पी.एम.एफ.एम.ई., एम.ओ.एफ.पी.आई. के तहत ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित करना

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रमों को शामिल करने और ग्रामीण उद्यमिता को प्रेरित करने के लिए कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। प्रबंधन के संबद्ध कॉलेजों को शामिल करते हुए विश्वविद्यालय स्तर पर क्लस्टर स्तर की कार्यशालाएं आयोजित की गईं। 2021-22 में कुल 511 ओ.डी.ओ.पी. कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

जिला नोडल एजेंसियों के साथ ओ.डी.ओ.पी. संस्थागत स्तर की कार्यशालाएं

डी.वाई. पाटिल विद्यापीठ, पुणे, महाराष्ट्र

एक जनपद एक उत्पाद
ONE DISTRICT ONE PRODUCT

डॉ. पांचालन, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई

राज्य में ओ.डी.ओ.पी. शुरू करने के लिए क्लस्टर स्तर की बैठकें
1. जम्मू और कश्मीर विश्वविद्यालय
2. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय
3. एमिटी विश्वविद्यालय

कुलपति - एमिटी विश्वविद्यालय, कोलकाता

कर्नाटक और पी.एम.एफ.एम.ई.-ओ.डी.ओ.पी. सामुदायिक व्यस्तता पहल

क्राइस्ट यूनिवर्सिटी (डीम्ड) इंजीनियरिंग फैकल्टी आर.ई.डी.सी. ने सेवा सीखने की गतिविधियों के माध्यम से कर्नाटक के रामनगर जिले के साथ जुड़ने का अनुरोध किया। इसका उद्देश्य छात्रों के लिए ग्रामीण हितधारकों के साथ बातचीत करना, उनकी समस्याओं को समझना और तकनीकी समाधान निकालना है।

- सामुदायिक व्यस्तता के माध्यम से सिद्धांत और व्यवहार के बीच की खाई को पाटकर उच्चतर शिक्षा संस्थानों में शिक्षण/शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार करना;
- वास्तविक जीवन की समस्याओं की पहचान और समाधान के लिए उच्चतर शिक्षण संस्थानों और स्थानीय समुदायों के बीच गहरी बातचीत को बढ़ावा देना

पारस्परिक लाभ की भावना से समुदायों द्वारा सामना

- स्थानीय समुदायों और उच्चतर शिक्षा संस्थानों के बीच भागीदारी को सुगम बनाना ताकि छात्र और शिक्षक स्थानीय ज्ञान और ज्ञान से सीख सकें

क्राइस्ट यूनिवर्सिटी फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग के साथ ओ.डी.ओ.पी. सत्र (2019 का बैच)

डॉ. रवींद्रनाथ, इंक्यूबेशन सेंटर के निदेशक, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी ने रामनगर जिला (कर्नाटक), जिला कौशल विकास अधिकारी, श्री उमेश और सहायक निदेशक स्किल हब, श्रीमती सी.एन. लता से मुलाकात की।

छात्रों के साथ बातचीत में ग्रामीण अर्थव्यवस्था और विकास के प्रमुख मुद्दों के बारे में बताया गया। इलेक्ट्रॉनिक्स, सिविल, कंप्यूटर एससी के छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने विचार साझा किए।

11 मार्च 2022 को पी.एस.सी.एम.आर. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में एक जनपद एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) को बढ़ावा देने पर ऑफ़लाइन कार्यशाला

अकादमिक सलाहकार एम.जी.एन.सी.आर.ई. भारत को आत्मनिर्भर बनाने में ओ.डी.ओ.पी. दृष्टिकोण की भूमिका पर छात्रों को संबोधित करते हुए

सुविधाओं और विशेषज्ञता को साझा करके ग्रामीण प्रबंधन में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आपसी संबंधों की खोज, विस्तार और मजबूत करने के लिए **3 समझौता ज्ञापनों** पर हस्ताक्षर किए गए -

1. नाज़रेथ ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस, अवडी, तमिलनाडु
2. डी.ए.वी. इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जालंधर, पंजाब
3. गणपत यूनिवर्सिटी, विद्यानगर, मेहसाणा, गुजरात

भारत में यूनेस्को चेयर सहयोग को मजबूत करने के लिए इकट्ठा हुए

In an effort to strengthen linkages with and among the UNESCO Chairs in India, the UNESCO Office in New Delhi organized the *Fourth Annual Meeting of UNESCO Chairs in India* on 15 March 2022, in New Delhi.

अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने यूनेस्को चेयर की बैठक में भाग लिया। एम.जी.एन.सी.आर.ई. को अनुभवात्मक शिक्षा, कार्य शिक्षा और सामुदायिक व्यस्तता पर यूनेस्को का चेयर नामित किया गया है

"सामाजिक डॉक्टरों को उन्हें सशक्त बनाने के लिए सामाजिक मुद्दों और समूहों को संबोधित करने और उन्हें संभालने की आवश्यकता है" अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने छात्रों को उद्यम के अवसर की तलाश करने की सलाह देते हुए कहा कि रोजगार नहीं होने पर अवसर सम्मेलन "एक नई पारिस्थितिक सामाजिक दुनिया का सह-निर्माण: किसी को पीछे नहीं छोड़ना"

प्रो. जी. हेमंथा कुमार (बाएं से दूसरे), मैसूर विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा एशियन जर्नल ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्क की वेबसाइट लॉन्च की जा रही है।

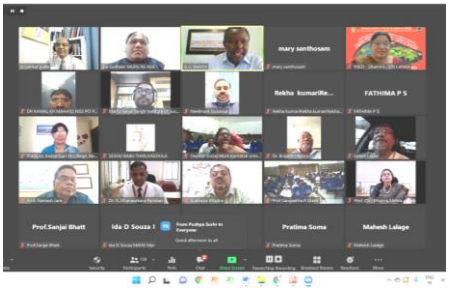

विश्व सामाजिक कार्य दिवस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

भारत सबसे अधिक आबादी वाला और सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। पर्यावरण-सामाजिक दुनिया के सह-निर्माण में विश्व की महत्वपूर्ण भूमिका है। देश में, अन्य देशों की तरह, पर्यावरण-केंद्रित लोग और पर्यावरण-निर्भर लोग दोनों हैं। सामाजिक कार्य दिवस समानता और समावेशिता को बनाए रखते हुए एक नई पारिस्थितिक-सामाजिक दुनिया बनाने की वकालत के साथ मनाया जा रहा है। 15 मार्च 2022 को विश्व सामाजिक कार्य दिवस "एक नए पर्यावरण-सामाजिक कार्य का सह-निर्माण: किसी को पीछे नहीं छोड़ना" की थीम के साथ मनाया गया, जिसका आयोजन ब्रिस्बेन इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रेथ बेस्ड प्रैक्टिस, ऑस्ट्रेलिया द्वारा एम.जी.एन.सी.आर.ई. के सहयोग से किया गया था। भारत, केन्या, नेपाल, श्रीलंका, फिलीपींस और ऑस्ट्रेलिया के सामाजिक कार्य चिकित्सकों ने ऑनलाइन मोड के माध्यम से इस कार्यक्रम में भाग लिया। अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने संस्थागत सामुदायिक व्यस्तता पर अपने विचार साझा किए और गांवों के साथ उच्चतर शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों और छात्रों की भागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
(पूर्व में राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद)
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

5-1-174, शक्कर भवन, फतेह मैदान रोड, बशीरबाघ, हैदराबाद, तेलंगाना - 500004
दूरभाष: 040-23212120, 2342205, फैक्स: 040-23212114, ई-मेल: admin@mgncre.in, वेबसाइट: www.mgncre.org
संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया.वी, संपादक
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एम.जी.एन.सी.आर.ई.) की ओर से डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित और मुद्रित
RNI NO: TELENG/2021/81111